of raw meat (Chilled/frozen) and processed meat products under the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963.

(v) Periodic inspection of meat processing facilities to ensure that such facilities comply with the quality standards as laid down under export (Quality Control & Inspection) Act, 1963.

(vi) providing financial assistance for market development, brand publicity, quality control, packaging development, upgradation of meat processing facilities in the public sector, modernisation of abbattoirs, etc.

(vii) arranging promotional campaigns and buyer seller meets and participation in international trade fairs/exhibitions.

(c) and (d) The exports of livestock products during each year of the 8th Five Year Plan period were as under:—

(Value: Rs./crore)

1992-93	1993-94	1994-95	1995-96	1996-97 (April-Nov' 96) (Provisional)
368.89	464.14	539.96	779.88	512.60

(Source: DGCI&S, Calcutta)

Projections have not been formulated for the exports of livestock products for the Ninth Five Year Plan.

भारतीय माल के निर्यात में कमी आना

4025. **श्री नागमणि:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि यूरोप के देशों के बाजार में भारतीय माल के निर्यात में कमी आयी है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) विदेशी बाजार में भारतीय माल के निर्यात में वृद्धि करने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रामैया): (क) और (ख) पिछले कुछ सालों के दौरान यूरोप के देशों में भारतीय माल के निर्यात का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

साल	यूरोप के देशों केभारतीय माल का निर्यात		पिछले वर्ष की संगत अवधिकी तुलना में प्रतिशत वृद्धि	
	(करोड़ रु० में)	(मिलियन अमरीकी डालर में)	(रुपये में)	(अमरीकी डालर में)
1993-94	20789.58	6629.17	—	—
1994-95	24871.59	7921.37	19.26	19.13
1995-96	31588.40	9450.15	27.01	19.30
1996-97 (अप्रैल 96 जनवरी 97)	26972.15	7644.09	8.48	1.56
1995-96 (अप्रैल 95 जनवरी 96)	24.863.81	7526.71		

(ग) विशेष निर्यात संवर्धन उपयोग करने के लिए 15 उत्पादों को अभिज्ञात किया गया है ताकि भारतीय माल के निर्यात को विदेशी बाजारों में बढ़ाया जा सके। अन्य अपनाए गए उपायों में शामिल है:—अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी, व्यापार प्रतिनिधिमंडलों का तेजी से आदान-प्रदान करना, वाणिज्य संगठनों को आवश्यक सूचनाएं मुहैया कराना और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना, भण्डारण सुविधाओं की स्थापना करना, संयुक्त उद्यमों का संवर्धन करना आदि।

उपभोक्ता वस्तुओं का आयात

4026. **श्री नरेन्द्र मोहन:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उपभोक्ता वस्तुओं के आयात पर नियन्त्रण हटाने के लिए सरकार अपनी नीति में क्या संशोधन करने का विचार रखती है;

(ख) देश की अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर विलासिता-प्रधान वस्तुओं के आयात का क्या प्रभाव पड़ेगा तथा क्या इस संबंध में सरकार द्वारा कोई विशिष्ट जांच की गयी है; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या निष्कर्ष निकले हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया): (क) से (ग) निर्यात और आयात नीति की समीक्षा एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है और सम्बंधित प्रशासनिक मंत्रालयों के साथ विचार-विमर्श करके समय-समय पर इसमें परिवर्तन किए जाते हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर प्रभाव सहित अनेक कारकों को ध्यान में रखते हैं।

Growth Rate of Export and Import

4027. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the details of the present growth rate of export and import of the country as on 31st January, 1997; and

(b) the steps being taken by Government to improve the balance of payment of our coutry?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULI RAMAIAH): (a) As per available DGCIS data, exports and imports during April-January, 1997 have increased in dollar terms by 6.53% and 6.19% respectively over the corresponding period in the previous year.

(b) Increased exports would reflect in the trade balance in the current account of the Balance of Payments. Hence export promotion measures are continuously being taken by the Government through changes in policies and procedures for providing an export friendly environment, involvement of States in export promotion, consultation with Trade & Industry etc.

Producation of Coffee and Tea In Orissa

4028. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Khandanal and Koraput and other tribal districts of Orissa are conducive for production of good quality of coffee and tea;

(b) if so, the details of Government's initiatives/programmes in this direction to encourage the plantation/growth of coffee and tea in these districts;

(c) whether there is any scheme to encourage the educated unemployed Scheduled Cast and Scheduled Tribe youths for the plantation of the same; and

(d) if so, the details thereof and if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULI RAMAIAH): (a) and (b) The district of Koraput, Rayagada, Kalahandi, Gajapathi, Phulbani and Keonjhar in Orissa have been found suitable for growth of coffee and tea.

The Coffee Board is providing the necessary support to all coffee growing States including Orissa in the form of research/extension. The research support for Orissa is provided from Regional